Post Graduate Diploma in Rural Journalism and Mass Communication (PGDRJMC)

पाठ्यक्रम कोड एवं विवरण

Year	Paper No.	Course Code	Title of the Course/ पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits
One Year Course	564	PGDRJMC-01	जनसंचार एवं पत्रकारिताः स्वरूप एवं सिद्धान्त	8
	565	PGDRJMC-02	समाचार लेखन एवं सम्पादन	8
	566	PGDRJMC-03	ग्रामीण पत्रकारिता उद्भव एवं विकास	8
	567	PGDRJMC-04	ग्रामीण पत्रकारिता के विविध आयाम	8
	568	PGDRJMC-05	ग्रामीण सामाजिक संस्थायें	8
Total Credits				**40**

ग्रामीण पत्रकारिता एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.आर.जे.एम.सी.)

PGDRJMC-01

जनसंचार एवं पत्रकारिताः स्वरूप और सिद्धान्त

प्रथम खण्ड – संचार की भूमिका

ईकाई–1 संचार, अर्थ, परिभाषा, प्रक्रिया, सफलता, कार्य, तत्व, संचार के प्रकार : स्वगत, अन्तर्वैयक्तिक, समूह, जनसंचार जनमाध्यम : प्रकार, आयाम।

इकाई–2 संचार के माडल : अर्थ एवं परिभाषा : अर्थ एवं परिभाषा, संचार प्रक्रिया, संचार माडलों का विकास। संचार के महत्वपूर्ण माडल :एरिस्टॉटल, कैनेथ बुक, लीगन्स, लास्वेल, वेसली और मैकेलियन, शेनम और वीवर, गवर्नर, आस्गुड्स, बिलबर श्रेय का माडल।

इकाई–3 जनसंचार के सिद्धांत (प्रिण्ट मीडिया) : प्रेस के चार सिद्धांत, मानक सिद्धांत, लोकप्रिय सांस्कृतिक दृष्टिकोण, संवेदी विस्तार सिद्धांत। जनसंचार के सिद्धांत (इलेक्ट्रानिक मीडिया) : गणितीय, माध्यम सर्वशक्तिमान, कार्यसूची आधारित कार्य, द्विस्तरीय प्रभाव, बहुस्तरीय प्रभाव, निर्भरता सिद्धांत, खेल सिद्धांत, बुलेट सिद्धांत, षडयन्त्र सिद्धान्त। सामाजिक प्रभाव का एकात्मक सिद्धान्त, उपयोग एवं संतृप्ति सिद्धान्त, परावर्ती, प्रक्षेपीय सिद्धान्त, संगति या संतुलन सिद्धांत, उदारवादी लोकतांत्रिक सिद्धांत तथा स्वतन्त्रतावादी सिद्धान्त।

इकाई–4 **संचार शोध :** अर्थ एवं परिभाषा। संचार शोध के क्षेत्र : स्रोत/सम्प्रेषक, संदेश, माध्यम, श्रोता/दर्शक, प्रक्रिया और प्रभाव। संचार शोध की पद्धति : ऐतिहासिक भौतिक विज्ञान, समाज वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक, दार्शनिक। तथ्य संकलन के स्रोत। तथ्य संकलन की विधि : आसन कार्य, क्षेत्रीय, निदर्शन, विश्लेषण। संचार शोध में सांख्यिकीय : माध्य, माध्यिका, बहुलक, सह सम्बन्ध। भारतीय सन्दर्भ में संचार शोध की उपयोगिता।

इकाई–5 **जनमाध्यमों का प्रभाव –** मुद्रित, रेडियो, सिनेमा टी.वी., वीडियो, केबल टी.बी. और संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव। जनमाध्यमों के प्रभाव का मूल्यांकन।

द्वितीय खण्ड : पत्रकारिता

इकाई–1 पत्रकारिता : अवधारणा, अर्थ, परिभाषा। पत्रकारिता के विविध रूप : ग्रामीण, आर्थिक, विकास, संसदीय, स्वास्थ्य, खेल, विज्ञान, बाल, महिला। पत्रकारिता का वर्तमान परिवेश, दायित्व, प्रशिक्षण।

इकाई–2 **भाषायी पत्रकारिता की भूमिका –** एक अनिवार्यता, उदय और विकास, आंचलिकता, भाषायी पत्रकारिता और जनमत प्रभावित करने वाले कारक : साक्षरता का स्तर, क्रय शक्ति, तकनीकी विकास, भाषायी पत्रकारिता का भविष्य।

इकाई–3 **भारत में अंग्रेजी पत्रकारिता –** विकास, अंग्रेजी पत्रों का प्रादुर्भाव, भारतीय जागरण, स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत में पत्रकारिता की भूमिका। अंग्रेजी समाचार पत्रों का गुणात्मक मूल्यांकन : वस्तुस्थिति, अन्तर्वस्तु, प्रस्तुतीकरण, द्वितीय प्रेस आयोग की सिफारिश। अंग्रेजी प्रेस की स्थिति, वर्गीकरण, प्रसार।

इकाई–4 **पत्रकारिता का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप –** पत्रकारिता, शीघ्रता में प्रस्तुत साहित्य, मानव जीवन, राजनीति, पत्रकारिता, साहित्यिक विधा और पत्रकारिता, मुख्य साहित्यिक

पत्र–पत्रिकाएँ। पत्रकारिता का सांस्कृतिक स्वरूप : सांस्कृतिक विकृति और प्रकृति, भारतीय संस्कृति के मूल स्रोत, संस्कृति परक पत्र–पत्रिकाएं

इकाई–5 **प्रेस की स्वतंत्रता :** अवधारणा, आकलन, स्वरूप, महत्ता, प्रकाशन और सेंसर, सूचना पाने का अधिकार, प्रेस की स्वतंत्रता। भारत में प्रेस की स्थिति, प्रेस और सरकार, भारतीय प्रेस की स्वतंत्रता, स्वातन्त्रोत्तर भारत में प्रेस का आकलन।

खण्ड –3 विविध जनमाध्यम

इकाई–1 **मुद्रित माध्यम :** प्रारम्भिक समाचार एवं पत्रिका, समाचार पत्र, परिभाषा, विशेषताएं, प्रकार, कर्तव्य आदर्श। समाचार पत्रों का स्वामित्व : एकल, साझेदारी, मिश्रित पूंजी कम्पनी, ट्रस्ट, समितियां, भारतीय पत्र जगत की साम्प्रतिक स्थिति।

इकाई–2 **पारम्परिक लोक माध्यम की अवधारणा –** शास्त्रीय एवं लोक संगीत, नाटक, धार्मिक, लोक नाट्य लोक कला, कठपुतली। सार्थक सम्प्रेषण में लोक माध्यमों की भूमिका : राष्ट्रीय आन्दोलन, विकास, सामाजिक परिवर्तन और लोक माध्यम। लोक माध्यमों की प्रासंगिकता, संरक्षण, उन्नयन के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास, संचार क्रांति और लोक माध्यम।

इकाई–3 **रेडियो का संक्षिप्त परिचय –** कार्यपद्धति, इतिहास, विशेषताएँ रेडियो के कार्यक्रम, सामुदायिक रेडियो नयी सदी में एफ एम, रेडियो : टी.वी. और समाचार पत्र, रेडियो की संहिता और महत्ता।

इकाई–4 **टेलीविजन :** परिचय, आविष्कार एवं कार्यपद्धति, टेलीविजन प्रसारण, विशेषताएं, टेलीविजन के विभिन्न कार्यक्रम, सिद्धांत, संरचना। टेलीविजन हेतु अपेक्षित, क्षमताएं, उपयोगिता एवं प्रभाव : बाल हिंसा और टी.वी., टी.वी. और सर्पदंश, दूरदर्शन : मनोरंजन का हिंसात्मक स्वरूप।

इकाई–5 **भारत में नयी सूचना तकनीक –**कम्प्यूटर नेटवर्क, साइबर, स्पेस, टेलीनेट, वर्ल्ड वाइड वेब, टेली टेक्सट एवं वीडियो टैक्सट, टेलीकांफ्रेंस, गेटवे पैकेज, स्विचिंग सिद्धांत, मोडम, प्रकाशीय संचार, लेजर दूर संचार, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र नेटवर्क, इंटोनेट। इन्टरनेट : ई–मेल, ई–चैट, ई–कामर्स, ई–प्रशासन, कन्वर्जेस, डिजिटल डिवाइड। मल्टीमीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारतीय पहल, मीडिया लैब एशिया, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम–2000, डिजिटल हस्ताक्षर, ई–लर्निंग, विद्यावाहिनी व ज्ञानवाहिनी कार्यक्रम, आम जनता के लिए सूचना प्रौद्योगिकी।

खण्ड–4 मीडिया प्रबन्धन

इकाई–1 **समाचार–समिति –** अर्थ एवं अवधारणा, परिभाषा, आवश्यकता, अपेक्षा, उद्भव एवं विकास, विदेशों एवं भारत में समाचार समितियों का विकास, पी0टी0आई0, यू0एन0 आई0, हिन्दुस्तान समाचार तथा समाचार भारती, समाचार, सामाचार समितियों का स्वरूप : एकल एवं बहुल समिति, गुट निरपेक्ष राष्ट्रों का न्यूज पूल, सेटेलाइट और समाचार समितियां।

इकाई–2 **माध्यमों का विभिन्न विभागों का संगठन –**सम्पादकीय एवं विज्ञापन विभाग, प्रशासन, मुद्रण, इलेक्ट्रानिक मीडिया, रेडियो, टी.वी. का संगठन पक्ष : समाचार संकलन, सम्पादन, प्रस्तोता या वाचक भण्डारण, लेखा विभाग।

इकाई–3 **सरकार के मीडिया संगठन –** प्रशासन और मुद्रित माध्यम :प्रेस इन्फारमेशन ब्यूरो, प्रकाशन विभाग, समाचार पत्र निबन्धन विभाग, शोध एवं सन्दर्भ फोटो विभाग, प्रेस काउन्सिल आफ इण्डिया, राष्ट्रीय पुस्तकालय, शासन और फिल्म संगठन, फिल्म प्रभाग, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन विभाग, भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, फिल्म समारोह निदेशालय, बाल एवं युवा फिल्म केन्द्र, शासन नियन्त्रित इलेक्ट्रानिक मीडिया : रेडियो दूरदर्शन, इलेक्ट्रानिक मीडिया की स्वायत्तता, प्रसार भारती।

इकाई–4 भारत में मीडिया व्यवसाय –प्रेस व्यवसाय : बाधाएं, व्यवसाय काल, दूरदर्शन व्यवसाय : प्रसारण व्यवसाय माडल, रेडियो व्यवसाय : आकाशवाणी की कार्य प्रणाली।

इकाई–5 शैक्षणिक मीडिया : आकाशवाणी का स्कूल प्रसारण : उद्देश्य एवं विषयों का चयन, केन्द्रीय शैक्षणिक योजना इकाई, स्कूल प्रसारण की अड़चनें, शैक्षणिक टेलीविजन : प्रारम्भ, वर्तमान में एक व्यापक स्वरूप, टी.वी. की उपयोगिता एक शैक्षणिक माध्यम के रूप में ई.टी.वी. के अनेक रूप, ई.टी.वी. एक त्रिकोण के रूप में निर्माता जहाज के एक कैप्टन की भांति, प्रस्तुतकर्ता : एक अध्यापक, शिक्षण ई.टी.वी. की बाधाएं, शैक्षणिक चैनल : इग्नू, यू.जी.सी., दूरवर्ती शिक्षा के प्रति यू.जी.सी. का उद्देश्य, इग्नू।

खण्ड–5 पत्रकारिता का इतिहास

इकाई–1 **हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास :** प्राचीन भारत में सूचना–व्यवस्था : भारत में मुद्रण कला, पत्रकारिता का प्रारम्भ, भारतीय भाषाओं में पत्रकारिता का उद्भव और विकास, हिन्दी पत्रकारिता : काल विभाजन, उद्भव काल, प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम, भारतेन्दु युगीन पत्रकारिता, तिलक युगीन, गांधी युगीन पत्रकारिता, स्वातंत्रोत्तर पत्रकारिता, समाचान एवं सामयिक विषयों के पत्र, साहित्य, संस्कृति से सम्बद्ध पत्र, फिल्म और लेखा पत्रिकाएं, बाल, महिला जगत की पत्रकारिता।

इकाई–2 स्वतन्त्रता आन्दोलन और उत्तर प्रदेश की हिन्दी पत्रकारिता : स्वतन्त्रता और पत्रकारिता, अवधारणा, पत्रकारिता द्वारा स्वतंत्रता के महत्व का प्रतिपादन, काल विभाजन और अवधारणा, पत्रकारिता द्वारा स्वतंत्र के महत्व का प्रतिपादन, काल विभाजन और नामकरण, उद्बोधन काल : राजा राम मोहनराय के पत्रों द्वारा चेतना का संचार, भारतेन्दु मण्डल तथा स्वाधीनता आन्दोलन, स्वदेशी आन्दोलन और हिन्दी पत्र, बिहार बन्धु की हिन्दी सेवा, जागरण काल : तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियां, सावरकर : स्वतंत्रता के अक्षय स्रोत, तिलक का संदेशवाहक 'हिन्दी केसरी', स्वराज और उग्र राष्ट्रीय भावना, 'नृसिंह' और स्वराज्य की आवश्यकता, भावनात्मक एकता का नियामक 'देवनागर', : क्रांतिकाल : तत्कालीन परिस्थितियां, पत्रकार गांधी, 'प्रताप' फिरंगियों का सतत्, राष्ट्रीय ज्वाल जगाइए और कर्मवीर अपनाये, 'स्वदेश' और स्वतन्त्रता आन्दोलन, 'आज' राष्ट्रीय चेतना का पर्याय, स्वतंत्रता आन्दोलन और क्रांतिकारी, नवयुवक, पत्रकारिता पर प्रहार और गुप्त प्रकाशन, 'हंस' द्वारा संसार में जागरण।

इकाई–3 विश्व के पत्र में विदेशों में हिन्दी पत्रकारिता : प्रमुख समाचार पत्र :द टाइम्स, लिमाण्ड, केरियर डेलसेरा, असाही शिम्बुन, न्यूयार्क टाइम्स, प्रावदा, डाइवेल्ट, वाशिंगटन पोस्ट, विदेशों में हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप, विभिन्न राष्ट्रों में प्रकाशित हिन्दी पत्र।

इकाई–4 हिन्दी में विशिष्ट पत्र एवं अनुकरणीय पत्रकार : उदन्त मार्तण्ड, कविवचन सुधा, हिन्दोस्थान, सरस्वती, प्रताप, कर्मवीर, आज, भूमिगत प्रेस, हिन्दी के विशिष्ट पत्रकार : युगल किशोर सुकुल, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मदन मोहन मालवीय, महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी, माखन लाल चतुर्वेदी, बाबू राव विष्णु पराड़कर।

PGDRJMC--02

समाचार–संकलन, लेखन एवं सम्पादन

खण्ड –1 समाचार संकलन

इकाई–1 समाचार : अर्थ, तत्व एवं स्रोत : समाचार का अर्थ, परिभाषा, तत्व (न्यूनता, सत्यता, सामीप्य, सुरुचिपूर्णता, वैयक्तिकता, संख्या और संशय), प्रकार (तात्कालिक, व्यापी) महत्वपूर्ण समाचार (अपराध, स्थानीय, डाक, रेडियो, टीवी) अपेक्षित और आकस्मिक समाचार, समाचार के स्रोत (समाचार समिति, प्रेस रिलीज, अन्य स्रोत), फालो–अप (अनुवर्तन)।

इकाई–2 रिपोर्टिंग : व्याख्यात्मक, अन्वेषणात्मक एवं अपराध, आमुख (इन्ट्रो), व्याख्यात्मक रिपोर्टिंग (स्वरूप, विवेचन, परिभाषा, व्याख्यात्मक समाचार की संरचना, विशेषताएं सावधानियां), अन्वेषणात्मक रिपोर्टिंग (लक्ष्य, अनवेषी रिपोर्टर के गुण, अन्वेषी रिपोर्टर तथा कानून, पुलिस और समाज), अपराध रिपोर्टिंग और प्रेस, अपराध समाचार लेखन, अपराध समाचार के स्रोत।

इकाई–3 संवाददाता सम्मेलन और साक्षात्कार : संवाददाता की योग्यता और उसके विविध रूप, विशेष संवाददाता, युद्ध संवाददाता, संवाददाता सम्मेलन (तैयारी ओर सावधानी, अनुसूची एवं प्रश्नावली), संवाददाता सम्मेलन और साक्षात्कार में अन्तर।

इकाई–4 इलेक्ट्रानिक मीडिया में रिपोर्टिंग : रेडियो रिपोर्टिंग (ध्यान देने योग्य बातें, रेडियो रिपोर्टर के गुण एवं कार्य), टेलीविजन रिपोर्टिंग (रिपोर्टर के गुण, आवश्यक उपकरण, रिपोर्टिंग करते समय सावधानियां), हाट आन–लाइन समाचार, ई–जर्नलिज्म (इलेक्ट्रानिक अखबार, साइबर पत्रकारिता, वेबसाइट)।

इकाई–5 संपादक और संवाददाता : सम्पादक का स्वरूप, अवधारणा, सम्पादकीय विभाग का निर्देशन, परखशक्ति, दबाव, लोकपाल और सम्पादक, उप मुख्य सम्पादक और उप संपादक के गुण; संवाददाता : परिभाषा, महत्व, गुण, प्रकार, कार्य

खण्ड –2 विशेषीकृत रिपोर्टिंग

इकाई–1 अपराध और न्यायालय रिपोर्टिंग : अपराध की व्याख्या, विविध रूप, हत्या, चोरी, डकैती, बलात्कार, वैश्यावृत्ति, दंगे, अपराध रिपोर्टिंग एवं समाचार, न्यायालय : विविध रूप, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, अधीनस्थ न्यायालय, न्यायालय के समाचार एवं स्वरूप, न्यायालय रिपोर्टिंग में सावधानियां।

इकाई–2 संसदीय रिपोर्टिंग, संसद का महत्व और उसकी रूपरेखा, संसदीय रिपोर्टिंग और उसकी सावधानियां, संसदीय कार्यवाही (प्रश्नोत्तर) : प्रश्नकाल, शून्य काल, तारांकित प्रश्न, अल्प सूचना के प्रश्न और तारांकित प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, संसदीय कार्यवाही (विधायी) : विधेयकों पर विचार, कार्य स्थगन प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव, विशेष चर्चा, मत विभाजन, बजट एवं संसदीय समितियां, संसद के अन्य कार्य : संयुक्त अधिवेशन, अनुच्छेद 377 के तहत उठाये जाने वाले मुद्दे, प्रेस दीर्घा, व्यवहार सूत्र, लेखन शैली की विशिष्टता।

इकाई–3 खेल रिपोर्टिंग, इतिहास खेलों और खेल समाचारों के प्रकार; क्रिकेट, हाकी, फुटबाल, अन्य खेल, खेल समाचारों की रिपोर्टिंग एवं जानकारियां, स्थानीय खेल, खेल समाचारों की भाषा, शब्दावली एवं शीर्षक, विशेषज्ञता की आवश्यकता प्रमुख, राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं एवं कुछ खेल समाचार।

इकाई–4 कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कृषि जगत, कृषि का स्वरूप, कृषि पत्रकारिता का उद्भव विकास, ग्रामीण जीवन और कृषि पत्रकारिता, कृषि सम्बन्धित रिपोर्टिंग; विज्ञान : अवधारणा,

विज्ञान की मात्रा, जीवन में वैज्ञानिक चेतना, विज्ञान पत्रकारिता; प्रौद्योगिकी : स्वरूप, विकास प्रकार जन जीवन को प्रभावित करने वाली प्रौद्योगिकी।

इकाई–5 आर्थिक, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक पत्रकारिता : भारत में आर्थिक, पत्रों की शुरुआत, विकसित और विकासशील देशों में आर्थिक पत्र, आर्थिक समाचारों के प्रकार, भारत में वाणिज्यिक पत्रकारिता; प्रकार उपयोगिता, सावधानी, भविष्य, औद्योगिक पत्रकारिता, प्रतिष्ठित : प्रतिष्ठित पत्रिकाएं, आन्तरिक जनसम्पर्क पत्रिकाएं, वाह्य जनसंपर्क एवं संयुक्त जनसम्पर्क पत्रिकाएं।

खण्ड–3 जनमाध्यमों के लिए लेखन

इकाई–1 समाचार लेखन के मूल तत्व, स्वरूप चयन के आधार : जनाकर्षण, जनरुचि, तथ्यों की पवित्रता, लीड; समाचारों की प्रस्तुति, आमुख, भाषा शैली; शीर्षक लेखन; संरचना, इलेक्ट्रानिक माध्यम में शीर्षक, समाचार कार्यालय की कार्यप्रणाली, बाक्स तथा इनसेट।

इकाई–2 फीचर की परिभाषा, प्रमुख तत्व, फीचर और समाचार, फीचर और निबन्ध, फीचर और कहानी, फीचर के प्रकार : मानव रुचि आधारित, व्यक्तित्व परक, वैज्ञानिक, पर्यटन, ऐतिहासिक व्यंग्यात्मक, चित्रात्मक, सांस्कृतिक एवं त्योहारों पर आधारित, समाचार फीचर, फीचर लेखन की कला, विशेषता, प्रभावोत्पादकता, फीचर लेखन की योग्यताएं, फीचर सामग्री का चयन।

इकाई–3 सम्पादकीय पृष्ठ एवं स्तम्भ लेखन, सम्पादकीय पृष्ठ की संरचना, संपादकीय/अग्रलेख, सम्पादकीय टिप्पणियां/सामयिक लेख, सम्पादक के नाम पत्र, व्यंग–विनोदात्मक स्तम्भ, सम्पादकीय पृष्ठ का लेखन, सम्पादन, महत्व एवं प्रभाव।

इकाई–4 स्वतत्र पत्रकारिता और पत्रकारिता लेखन : स्वतंत्र लेखन : क्षेत्र, विधाएं, विशेषताएं उपयोगिता, कठिनाइयां, विशिष्टता, फीचर समितियां, सफल स्वतंत्र लेखन; पत्रिका लेखन; भाषाशैली एवं प्रस्तुति, पत्रिका में फीचर का प्रस्तुतीकरण।

खण्ड –4 रेडियो एवं टीवी के लिए लेखन

इकाई–1 रेडियो समाचार, समाचार सेवा, कक्ष, रेडियो समाचार बुलेटिन के प्रकार : विशेष समाचार कार्यक्रम, विशेषताएं, समाचार प्रस्तुतिकरण : चयन, समाचार का गठन और शीर्षक निर्धारण, शैली, भाषा, संक्षिप्त नामों का प्रयोग, पद और नाम का प्रयोग, रेडियो समाचार का संकलन और सम्पादन, समाचार वाचन, समाचारों का महत्व।

इकाई–2 रेडियो के विविध कार्यक्रम, रेडियो जनसंचार का सशक्त सूचनात्मक, शैक्षणिक, मनोरंजक माध्यम, रेडियो के विभिन्न कार्यक्रम : संगीत, विविध भारतीय या विज्ञापन सेवा, वार्ता तथा परिचर्चा, नाटक, रूपक, ग्रामीणों के लिए कार्यक्रम, महिला, बाल एवं युवा, शिक्षा, खेल और विशेष, कार्यक्रम, समाचार एवं समसामयिक विश्व पर आधारित सेवाएं, विदेश सेवाएं, रेडियो के (प्राथमिक, राष्ट्रीय, विविध भारती, एफ.एम.,विदेश प्रसारण), चैनल, रेडियो के ध्वनि अभिलेखागार।

इकाई–3 टी.वी. चैनल्स : व्यापकता, आरम्भ, दूरदर्शन के चैनल्स, निजी नेटवर्कों के चैनल, कुछ प्रमुख निजी प्रसारण नेटवर्क, जी नेटवर्क, स्टार समूह, सोनी समूह, टी.वी.टुडे समूह, इनाड समूह, चैनलों की प्रसारण व्यवस्था : सैटेलाइट टीवी, केबल, डी.टी.एच प्रसारण, चैनलों की लोकप्रियता, लाभ : वैविध्य पूर्ण मनोरंजन, विशेषीकृत चैनलों की उपलब्धता, सही वह सत्यापित सूचनाओं की प्राप्ति; चैनलों की हानि पक्ष, नयी प्रसारण नीति और भारतीय प्रसारण व्यवस्था।

इकाई–4 टेलीविजन प्रोजक्शन, स्टूडियो प्रोडक्शन टीम, टेलीविजन प्रोडक्शन (तैयारी, प्रोडक्शन, सम्पादन) टीम के सदस्य और उनके कार्य, आधारभूत बातें, आडियो, माइक्रो फोन के प्रकार, उत्कृष्ट परिणाम के लिए स्टूडियो सेटअप, स्टूडियो की आन्तरिक प्रकाश व्यवस्था, कमाण्ड और क्यू, फिल्म : संचार के माध्यम : फिल्म गतिशील विचारों का चित्र संसार, फिल्म संसार को पार कर लेना है।

इकाई–5 फोटो एवं फिल्म, स्वतंत्र एवं समाचार फोटोग्राफी, फोटो पत्रकार, उनकी चुनौतियां, फोटो सम्पादन, संपादक; फिल्म चमत्कारी जनमाध्यम (फीचर फिल्म, वृत्त चित्र, न्यूजरील, अन्य फिल्में), भारत में फिल्में, भारतीय फिल्मों का इतिहास, मुख्यधारा, समानान्तर एवं क्षेत्रीय फिल्में, फिल्म पत्रकारिता : विषय क्षेत्र, विधाएं, फिल्म पत्रकार के लिए अपेक्षित योग्यताएं फिल्म समीक्षा।

खण्ड–5 सम्पादन

इकाई–1 सम्पादन के सिद्धांत, परिभाषा, आवश्यकता, समाचार कक्ष, सम्पादकीय कक्ष का गठन, समाचार चयन एवं निर्धारण, सम्पादन, शीर्षक, मुख्य उपसम्पादक, कापी एडीटर के गुण, कार्य, समाचार कक्ष में संदर्भ सामग्री, सम्पादन के संकेत और उनके चिन्ह।

इकाई–2 फोटो सम्पादन – नियोजित एवं स्वतंत्र फोटो पत्रकार, फोटो पत्रकारिता : मानवीय एवं तकनीकी दृष्टि, फोटो पत्रकारिता की चुनौतियां : खोजी पत्रकारिता एवं फोटोग्राफी, स्वतंत्र फोटोग्राफी और समाचार, रेखाचित्र और फोटोग्राफ, फोटोफीचर, फोटो सम्पादन प्रक्रिया : फोटो क्रॉपिंग, कैप्शन, प्रकाशकीय निर्देश, फोटो सम्पादन और कम्प्यूटर, फोटो सम्पादन की विशिष्टता, फोटोग्राफों का प्रेषण, समाचार फोटो एजेन्सी, फोटो लाइब्रेरी।

इकाई–3 इलेक्ट्रानिक सम्पादन : परिचय, उद्देश्य, घटक, प्रकार (ऑनलाइन तथा ऑफलाइन सम्पादन, स्ट्रेट कट एडिट, एसेम्बल और इन्सर्ट सम्पादन, ए.बी. रोल नान लीनियर सम्पादन), इलेक्ट्रानिक सम्पादन कला, सम्पादन की समग्र रणनीति ग्रिफिथ का सम्पादन सूत्र।

इकाई–4 मुद्रण एवं पृष्ठ साजसज्जा–मुद्रण तकनीक : कम्पोजिंग टाइपसेटिंग, हाथ द्वारा कम्पोजिंग, मशीन द्वारा कम्पोजिंग (लाइनोटाइप, मोनोटाइप, फोटोटाइप, लेजर टाइप सेटिंग, ब्लाक), आधुनिक मुद्रण, पृष्ठ साज–सज्जा (स्वरूप, प्रथम पृष्ठ का डिजाइन, फोकस प्रधान पृष्ठ निर्माण, सर्क सनुमा पृष्ठ निर्माण, विरोधाभास पृष्ठ निर्माण, संतुलित पृष्ठ निर्माण), साम्प्रतिक पृष्ठ निर्माण (पृष्ठ निर्माण में आधुनिकता, आधुनिक टाइप, चित्रों का प्रयोग।

इकाई–5 अनुवाद और भाषा दक्षता : अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, सिद्धांत, संक्षिप्त इतिहास, महत्व; भाषा दक्षता : सूचना जगत और हिन्दी, विज्ञापन और हिंग्रेजी, जनमाध्यम और हिन्दी, भाषा में विसंगति, वर्तनी की समस्या।

PGDRJMC--03

ग्रामीण पत्रकारिता : उद्भव एवं विकास

खण्ड एक – ग्रामीण पत्रकारिता : उद्भव एवं विकास

इकाई–1 ग्रामीण पत्रकारिता : परिभाषा एवं अवधारणा

इकाई–2 ग्रामीण पत्रकारिता का क्षेत्र

इकाई–3 स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की ग्रामीण पत्रकारिता

खण्ड दो – ग्रामीण भारत की सामाजिक संरचना

इकाई–4 प्राचीन भारत की सामाजिक स्थिति

इकाई–5 पारिवरिक संरचना

इकाई–6 वर्णाश्रम व्यवस्था

इकाई–7 जाति एवं वर्ग व्यवस्था

खण्ड तीन – ग्राम्य विकास में ग्रामीण पत्रकारिता का योगदान

इकाई–8 प्राचीन भारत में जनसंचार के माध्यम

इकाई–9 ग्रामीण विकास एवं पत्रकारिता

इकाई–10 स्वतंत्रता आन्दोलनो में किसानों की भूमिका

इकाई–11 ग्रामीण समाज का आधुनिक स्वरूप एवं जनसंचार के माध्यमों की भूमिका

इकाई–12 ग्रामीण भारत के विकास में पत्रकारिता की भूमिका

इकाई–13 ग्रामीण पत्रकारिता की चुनौतियॉ

खण्ड चार – कृषि विकास का स्वरूप

इकाई–14 पारम्परिक एवं आधुनिक कृषि

इकाई–15 कृषि एवं सहकारिता

इकाई–16 कृषि विकास में शैक्षिक संस्थाओं का योगदान

इकाई–17 कृषि बन्दोबस्त एवं अधिनियम

इकाई–18 कृषि विकास एवं मीडिया

PGDJRMC-04

ग्रामीण पत्रकारिता के विविध आयाम

खण्ड एक – सांस्कृतिक परिवर्तन

इकाई–1 भारतीय संस्कृति की मूल अवधारणाएं एवं विशेषताएं

इकाई–2 पारम्परिक ग्रामीण व्यवसाय

इकाई–3 ग्रामीण रीति रिवाज

इकाई–4 ग्रामीण भारत की प्रमुख समस्याएं

खण्ड दो – स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पर्यावरण

इकाई–5 ग्राम्य समाज एवं स्वास्थ्य

इकाई–6 गांवों में शिक्षा का स्थिति

इकाई–7 ग्रामीण जीव एवं पर्यावरण

इकाई–8 पर्यावरण परिवर्तन का कृषि पर प्रभाव

खण्ड तीन – लोक कला संस्कृति का विकास

इकाई–9 लोक संस्कृति की अवधारणा

इकाई–10 लोक संस्कृतियों का ग्रामीणों पर प्रभाव

इकाई–11 लोक भाषा

इकाई–12 देश का आजादी के आन्दोलन में लोक कलाओं का योगदान

खण्ड चार– जनजातीय समाज और मीडिया

इकाई–13 जनजातीय समाज : इतिहास एवं पराम्परा

इकाई–14 जनजातीय समाज की भौगोलिक स्थिति

इकाई–15 जनजातीय समाज का समस्याओं के निराकरण में मीडिया का भूमिका

इकाई–16 जनजातीय समाज में विकास की सम्भावनाएं

PGDJRMC-05

ग्रामीण सामाजिक संरचना

खण्ड एक – भारत में ग्रामीण समाज

इकाई–1 ग्रामीण भारत की सामाजिक संरचना की विशेषताएं और आधुनिक स्वरूप
इकाई–2 कृषक एवं खेतीहर समाज की प्रमुख की विशेषताएं
इकाई–3 लोक संस्कृति लघु और वृहद परामरा
इकाई–4 ग्रामीण समाज में सार्वभौमीकरण एवं स्थानीयकरण की प्रक्रिया
इकाई–5 ग्रामीण समाज संरचना एवं आधुनिक परिवर्तित प्रतिमान

खण्ड दो – ग्रामीण सामाजिक संस्थाएं

इकाई–6 प्रमुख ग्रामीण संस्थाएं– परिवार , जाति, ग्राम पंचायत एवं जजमानी व्यवस्था
इकाई–7 ग्रामीण शान्ति संरचनाएं प्रभुजातिगुट ग्रामीण गुट
इकाई–8 नव ग्रामीण अभिजन, जातीयता और जातिवाद
इकाई–9 ग्रामीण गतिशीलता एवं ग्रामीण नेतृत्व के उभरते प्रतिमान
इकाई–10 ग्रामीण भारत में धर्म का प्रकार्यात्मक पक्ष एवं आधुनिक परिवर्तन

खण्ड तीन– भारत में ग्रामीण समाज

इकाई–11 उत्पादन की प्रणालियां एवं कृषि सम्बन्ध
इकाई–12 कुटीर उद्योग भू–स्वामित्व के प्रकार एवं श्रम सम्बन्ध
इकाई–13 भूमिहीन श्रमिक, ग्रामीण निर्भरता एवं प्रजननता
इकाई–14 भूमिसुधार के विविध प्रयास , कृषिकीय एवं ग्रामीण सामाजिक संरचना
इकाई–15 हरित क्रांति

खण्ड चार –

इकाई–16 नियोजित परिवर्तन : परिभाषा एवं प्रकृति
इकाई–17 पंचायती राज व्यवस्था एवं ग्रामीण सशक्तिकरण
इकाई–18 स्थानीय स्वशासन : मिथक एवं यथार्थ
इकाई–19 ग्रामीण विकास के विविध कार्यक्रम एवं उनका मूल्यांकन
इकाई–20 ग्रामीण विकास की रणनीतियां